साहित्य अकादेमी

साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
एवं
भारतीय लोक कला मण्डल, उदयपुर
के संयुक्त तत्त्वावधान
में आयोजित

लोक साहित्य : परंपरा और विकास विषयक संगोष्ठी

में आप सादर आमंत्रित है।

21–22 सितंबर 2019

स्थान : भारतीय लोक कला मण्डल, उदयपुर–313001

कार्यक्रम

शनिवार, 21 सितंबर, 2019

उद्घाटन सत्र – पूर्वाह्न 10.00 बजे – 11.30 बजे

स्वागत : **के. श्रीनिवासराव**, सचिव, साहित्य अकादेमी
मुख्य अतिथि : **भानु भारती**, लोक कलाधर्मी
बीज भाषण : **मधु आचार्य**, संयोजक राजस्थानी परामर्श मंडल, साहित्य अकादेमी
अध्यक्षता : **सोहन दान चारण**, कवि-चिंतक
धन्यवाद ज्ञापन : **लईक हुसैन**, निदेशक, भारतीय लोक कला मंडल

पहला सत्र : मध्याह्न 12.00 बजे – अपराह्न 1.30 बजे
अध्यक्षता : शारदा कृष्ण
आलेख-पाठ : ज्योतिपुंज *(परम्परा के प्रवाह में लोकसाहित्य का बदलता रूप)*
हरीश बी. शर्मा *(आधुनिक युग में लोकसाहित्य की प्रासंगिकता)*
गिरधारीदान रतनू *(सांस्कृतिक अध्ययन में लोक साहित्य की भूमिका)*

भोजन

द्वितीय सत्र : अपराह्न 2.30 बजे – 4.30 बजे

अध्यक्षता : विश्वामित्र दाधीच
आलेख-पाठ : सुरेश सालवी *(लोकसाहित्य की लुप्त होती धाराएँ)*
: बुलाकी शर्मा *(मौखिक से लिखित साहित्य की यात्रा में लोक साहित्य का अवदान)*
: राजेश कुमार व्यास *(वाचिक परंपरा और लोक साहित्य)*

रविवार, 22 सितंबर 2019

तृतीय सत्र : पूर्वाह्न 10.00 बजे–11.30 बजे
अध्यक्षता : श्रीलाल मोहता
आलेख-पाठ : जितेंद्र निर्मोही *(लोकगीतों की लुप्त होती परंपरा और आज का समाज)*
: अम्बिका दत्त *(लोककथाओं और आधुनिक कहानियों में अंत:संबंध)*
: भूपेंद्र सिंह *(लोकसाहित्य की बदलती भाषिक संरचना और उसके आधार)*

चाय

चतुर्थ सत्र : मध्याह्न 12.00 बजे–अपराह्न 2.00 बजे
अध्यक्षता : भंवर सिंह सामौर
आलेख-पाठ : लईक हुसैन *(लोक नाट्य : जन सुलभ रंगमंच)*
: प्रकाश अमरावत *(लोक साहित्य के काव्य रूपों में भाव और कला सौंदर्य)*
: ओम प्रकाश भाटिया *(असंग्रहीत लोकसाहित्य का लेखा-जोखा)*

समापन सत्र

समापन वक्तव्य : देव कोठारी
अध्यक्षता : मधु आचार्य 'आशावादी'

भोजन

उत्तरापेक्षी – 011- 23386626-28
ईमेल : secretary@sahitya-akademi.gov.in
वेबसाइट : http//www.sahitya-akademi.gov.in